आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 146 | उज्जैन, शनिवार 19 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रसाद योजना से संवरेगी माँ पीताम्बरा की नगरी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

केन्द्र सरकार ने दी 44.24 करोड़ की सौगात, दतिया बनेगा आध्यात्मिक पर्यटन का नया केन्द्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माँ पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। ÷प्रसाद योजना÷ का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

धार्मिक विरासत को मिलेगा आधुनिक स्वरूपप्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी।

प्रसाद योजना के तहत पीताम्बरा पीठ, दतिया में होने वाले प्रमुख विकास कार्य हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष्ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने के लिए विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा।

सार्वजनिक सुविधाएं-शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। इससे शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा।

इंटरप्रिटेशन सेंटर-मंदिर प्रबंधन ने उत्तर गेट के समीप इसके लिये लगभग 1000 वर्ग मी0 की भूमि उपलब्ध कराई है, उत्तर गेट भविष्य का मुख्य द्वार होगा। उत्तर द्वार से मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर (व्याख्या केंद्र) बनाया जाएगा।

अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर ध्यान दो..., बंगाल हिंसा पर ज्ञान देने वाले बांग्लादेश को भारत की खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के बाद से बवाल मचा है। इस बीच हिंसा को लेकर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी फटकार लगाई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उसे पहले अपने गिराबान में झांकना चाहिए, फिर हमें कोई ज्ञान देना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल में हुई घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं के साथ समानता स्थापित करने का एक छिपा हुआ और कपटपूर्ण प्रयास है।

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि बांग्लादेश में ऐसे कृत्यों के अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। अनुचित टिप्पणियां करने के बजाय, बांग्लादेश को अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कुछ भी गलत टिप्पणी करने से पहले बांग्लादेश को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को अपने अल्पसंख्यकों पर ध्यान देना चाहिए।

मैंने एलन मस्क से बात की और..., पीएम मोदी ने US के साथ मिलकर काम करने की जताई उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 अप्रैल को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क से फिर बात की। यह इस साल की दूसरी बातचीत है। दोनों ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी।

पीएम ने कहा, मैंने एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस बातचीत में इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल थे।

भारत अमेरिका के साथ- पीएम ने आगे कहा-हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी और मस्क के बीच फरवरी में मुलाकात हुई थी। दो महीने के भीतर ये पीएम मोदी और एलन मस्क की ये दूसरी बातचीत है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ युद्ध छिड़ा हुआ है। पिछले दिनों ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

ये तो उल्टी बात हो गई, सिब्बल ने धनखड़ के बयान पर किया तंज; सुप्रीम कोर्ट को 'सुपर संसद' कहने पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी न देने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस फैसले पर सख्त टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट को 'सुपर संसद' करार दिया, जिसके जवाब में राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने उन पर तंज कसा है।

सिब्बल ने कहा कि उपराष्ट्रपति को यह समझना चाहिए कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होता है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने क्या था- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि कुछ जज 'कानून बना रहे हैं' और 'सुपर संसद' की तरह काम कर रहे हैं।

जगदीप धनखड़ ने खास तौर पर सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा, हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें इस मसले पर बेहद संजीदा होना होगा।

धनखड़ ने आगे कहा कि संविधान सुप्रीम कोर्ट को कानून की व्याख्या करने का हक देता है, लेकिन इसके लिए पांच जजों की पीठ की जरूरत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला सिर्फ समीक्षा याचिका दाखिल करने या न करने का नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के लिए यह एक नाजुक वक्त है।

सुकमा में 22 नक्सलियों ने डाले हथियार, 16 लाख की इनामी नक्सली दंपत्ति भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुकमा में एक्टिव 22 नक्सलियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। इनमें से कई नक्सलियों के सिर पर लाखों के इनाम थे। इस लिस्ट में 16 लाख की इनामी नक्सली दंपत्ति का नाम भी शामिल है।

22 नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सुकमा प्रशासन से सामने आत्म समर्पण किया है। इस दौरान एसपी किरण चव्हाण, साआरपीएफ डीआईजी आनंद सिंह राजपुरोहित समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

40 लाख तक का इनाम - जानकारी के अनुसार 22 नक्सलियों पर कुल मिलाकर 40 लाख रुपए तक का इनाम रखा गया था। इनमें एक नक्सली दंपत्ति के सिर पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। वहीं, 2 नक्सलियों के सिर पर 5-5 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की गई थी।

पुलिस ने चलाया था ऑपरेशन- समाचार एजेंसी आईएएनएस ने भी नक्सलियों के सरेंडर का वीडियो साझा किया है। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों में 9 लड़कियां और 13 लड़के शामिल हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुकमा में ऑपरेशन चलाया गया था। इस ऑपरेशन में सुकमा के अलावा जगदलपुर के डीआईजी ऑफिस समेत कई सीआरपीएफ बटालियनों ने हिस्सा लिया था। पुलिस का यह ऑपरेशन कामयाब रहा और 22 नक्सलियों ने नक्सलवाद को अलविदा कहने का फैसला ले लिया है।

50 करोड़ का कुत्ता खरीदने वाले शख्स के घर पहुंची ईडी, छापेमारी में खुल गई शख्स की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेखी बघारने के लिए एक व्यक्ति ने इंटरनेट मीडिया पर दावा कर दिया कि उसने 50 करोड़ रुपये में दुनिया का सबसे महंगा कुत्ता विदेश से मंगाया है। यह दावा इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद जब यह जानकारी ईडी को हुई तो उस व्यक्ति के खिलाफ विदेशी मुद्रा विनिमय नियमों के उल्लंघन के संबंध में शिकायत दर्ज दी। ईडी की टीम उस व्यक्ति के घर पहुंच गई और छापेमारी की। हालांकि यह दावा झूठा साबित हुआ। ईडी ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मैं भी मुसलमान हूं, हम से भी वक्फ ने किया घपला, जब दाऊदी बोहरा समुदाय ने PM मोदी को सुनाई भिंडी बाजार घोटाले की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून 2025 के दो अहम प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगा दी है। इस बीच दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और इस कानून की खूब तारीफ की।

वक्फ संशोधन का स्वागत किया- बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने संसद से पारित वक्फ संशोधन का स्वागत किया और इस कानून को पारित करवाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। इस कानून में इस समुदाय की प्रमुख मांगों को शामिल किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के दृष्टिकोण में विश्वास जताया।

पीएम मोदी ने किया पोस्ट - बैठक में उनके साथ अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी थे। पीएम मोदी ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट भी किया।

एक्स पर पोस्ट में पीएम ने लिखा, दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के साथ बैठक हुई! हमने बातचीत के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की। संवाद के दौरान दाऊदी बोहरा समुदाय के एक सदस्य ने बताया कि वे 1923 से ही वक्फ नियमों से छूट की मांग कर रहे थे। कानून के जरिये अल्पसंख्यकों के भीतर अल्पसंख्यकों का खयाल रखने के लिए उनकी सराहना की।

बोहरा समुदाय के व्यक्ति ने सुनाया अपना दर्द- बोहरा समुदाय के एक व्यक्ति ने पीएम से मुलाकात के दौरान बताया कि पुराने वक्फ कानून की वजह से उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के भिंडी बाजार में उनका एक प्रोजेक्ट चल रहा था। 2015 में उन्होंने वहां एक जमीन खरीदी थी, जिसे काफी मेहनत के बाद उन्होंने खरीदा था।

उन्होंने कहा कि 2015 में खरीदने के बाद 2019 में नासिक और अहमदाबाद का कोई शख्स आकर ये कहता है कि ये जगह वक्फ की है। वहां कई लोग रहते थे, किरायेदार थे, दुकानें हैं। यहां तक की 700 वर्ग फीट का कम्युनिटी हॉल था, जहां लोग नमाज पढ़ते थे।

इस शख्स ने कहा कि साहब इस सरकार ने इन सारी चीजों पर अब रोक लगा दी है और साफ कर दिया है कि ये सब अब नहीं चलेगा।

1971 के नरसंहार के लिए माफी मांगे पाक, बांग्लादेश ने 54 साल बाद बंगालियों पर अत्याचार का उठाया मुद्दा; मुआवजा भी मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बंगालियों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी मांगने को कहा है। यूनुस सरकार ने इसके लिए मुआवजे की भी मांग की है।

30 लाख बंगालियों की गई थी जान- ऑपरेशन सर्चलाइट के दौरान, कथित तौर पर पाकिस्तानी सेना ने अनुमानित 30 लाख बंगालियों को मार डाला और दस लाख से अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार किया था। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ खूनी युद्ध के बाद 1971 में स्वतंत्रता पाई थी।

ये मुद्दे भी उठाए- बांग्लादेश ने राहत शिविरों में रह रहे तीन लाख से अधिक फंसे हुए पाकिस्तानियों को वापस भेजने और 1970 के भोला चक्रवात के पीड़ितों को भेजी गई विदेशी सहायता राशि के हस्तांतरण सहित अन्य मुद्दे भी उठाए।

इंडियन आई की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश ने पाकिस्तान से मांगे गए अपने वित्तीय दावे के हिस्से के रूप में 4.32 बिलियन डॉलर के लंबित वित्तीय दावों को भी उठाया। इसमें अविभाजित पाकिस्तान की 1971 से पहले की संपत्तियों में से उसका हिस्सा शामिल है, जिसमें सहायता राशि, भविष्य निधि और बचत साधन शामिल हैं।

बांग्लादेश को नहीं मिला मुआवजा- इंडियन आई की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने कहा कि पाकिस्तान ने 1970 के भोला चक्रवात के बाद बांग्लादेश को विदेशी सहायता में 200 मिलियन डॉलर का अपना हिस्सा आवंटित नहीं किया।

बांग्लादेश और पाक ने की द्विपक्षीय बैठक - बांग्लादेश और पाकिस्तान ने गुरुवार को कई सालों बाद द्विपक्षीय बैठक की। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन और पाकिस्तान के समकक्ष आमना बलूच ने एफओसी में अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

भारत को मिलेगी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता? अब इस मुस्लिम देश ने भी किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि और अंतर-सरकारी वार्ता (आइजीएन) के सह-अध्यक्ष तारिक अलबनई ने सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता के लिए समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अगर परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से 27 के बीच बढ़ाई जाती है, तो विश्व मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी होने के नाते भारत निश्चित रूप से एक दावेदार होगा।

यूएनएससी में सुधार जरूरी- यह पूछे जाने पर कि यूएनएससी में सुधार के लिए क्या सुनिश्चित किया जाना चाहिए, अल्बानी ने कहा कि सुधार का लक्ष्य प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है। इसलिए अगर यह निर्णय लिया जाता है कि परिषद का विस्तार होगा तो निश्चित रूप से भारत दावेदार होगा।

उन्होंने कहा कि सुधार के बाद परिषद जो भी रूप ले उसे अगली शताब्दी तक चलने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, जो समावेशिता, पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावशीलता, लोकतंत्र और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित हो। वे इस सत्र में सदस्य देशों द्वारा दिखाई गई गति से उत्साहित हैं।

फ्रांसीसी दूतावास ने भी किया था समर्थन - सुधार की भावना के लिए साहस और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है और सभी प्रतिनिधिमंडलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है क्योंकि हम सुरक्षा परिषद सुधार के मुख्य तत्वों पर आम सहमति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले एक अप्रैल को भारत स्थित फ्रांसीसी दूतावास ने कहा था कि वह भारत को स्थायी सीट दिलाने के उद्देश्य से यूएनएससी सुधार की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अमेरिकी नागरिक ने छोटे विमान को किया हाईजैक, तीन लोग घायल; हमलावर ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अमेरिकी नागरिक ने गुरुवार को चाकू की नोंक पर बेलीज में ट्रॉपिक एयर के एक छोटे विमान को हाईजैक कर लिया, जिसमें तीन अन्य लोग घायल हो गए और फिर हमलावर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी।

हमलावर ने उड़ान देश के बाहर जाने की मांग की- पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने पत्रकारों को बताया कि हमलावर ने विमान के हवा में होने के दौरान चाकू निकाला और घरेलू उड़ान से उसे देश से बाहर ले जाने की मांग की। विलियम्स ने बताया कि अपहरणकर्ता की पहचान अमेरिकी नागरिक अकिनीला सावा टेलर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि एक सैनिक रह चुका था।

हमलावर टेलर ने विमान में सवार तीन लोगों को चाकू मार दिया- पुलिस आयुक्त ने बताया कि अपहरण के दौरान विमान उत्तरी बेलीज और राजधानी बेलीज सिटी के बीच हवाई क्षेत्र में चक्कर लगा रहा था और उसमें ईंधन की कमी होने लगी। विलियम्स के अनुसार, हमलावर टेलर ने विमान में सवार तीन लोगों को चाकू मार दिया, जिसमें पायलट और एक यात्री भी शामिल था

हम चीन से बात कर रहे हैं..., अमेरिका और ड्रैगन के टैरिफ वॉर के बीच क्या है ट्रंप का अगला प्लान?

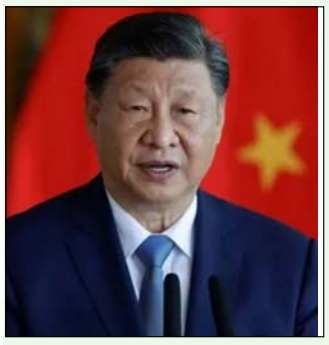

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक बड़े ट्रेड वॉर को खत्म करने के लिए एक समझौता कर सकती हैं।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा, हां-हम चीन से बात कर रहे हैं, चीन ने हमसे कई बार संपर्क किया है। ट्रंप ने पुष्टि की कि चीन पर टैरिफ को 145 बढ़ाने के बाद से बातचीत हुई है, जब बीजिंग ने उनके व्यापक मुक्ति दिवस विश्वव्यापी शुल्कों का जवाब दिया था।

हम जल्द करेंगे बातचीत- इस बीच जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सीधे बात की है, तो उन्होंने इस पर कुछ नहीं कहा। हालांकि उन्होंने पहले कई बार बातचीत में चीन से बात करने के संकेत दिए हैं। लेकिन इस बार जब उनसे शी जिनपिंग के साथ बातचीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा-मैंने कभी नहीं कहा कि ऐसा हुआ है या नहीं, यह कहना सही नहीं होगा।

हमारे पास समय नहीं है, कुछ दिन में..., रूस-यूक्रेन शांति समझौते से पीछे हट सकते हैं ट्रंप; दे डाली डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है। इस बीच अमेरिका ने कहा है, अगर युद्ध को लेकर समझौता नहीं हुआ तो वो पीछे हट जाएगा। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का बयान सामने आया है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए बातचीत करने के कोशिशों से कुछ ही दिनों में पीछे हट जाएंगे, जब तक कि इस बात के स्पष्ट संकेत न हों कि समझौता हो सकता है।

बहुत जल्दी तय करने की जरूरत - हम इस प्रयास को हफ्तों और महीनों तक जारी नहीं रखेंगे। इसलिए हमें अब बहुत जल्दी यह तय करने की जरूरत है, और मैं कुछ ही दिनों की बात कर रहा हूं कि अगले कुछ हफ्तों में यह संभव है या नहीं। अगर ऐसा है तो हम इसमें शामिल हैं। अगर ऐसा नहीं है, तो हमें अन्य प्राथमिकताओं पर भी ध्यान देना होगा। रुबियो ने पेरिस में यूरोपीय और यूक्रेनी नेताओं से मुलाकात के बाद ये बयान दिया है।

क्या वादा निभाएंगे ट्रंप- रुबियो ने कहा कि ट्रंप अभी भी सौदे में रुचि रखते हैं, लेकिन अगर प्रगति के तत्काल संकेत नहीं मिले तो वे आगे बढ़ने को तैयार हैं। ट्रम्प ने अपने चुनाव अभियान के दौरान व्हाइट हाउस में अपने पहले 24 घंटों के भीतर युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने इस दावे पर थोड़ी नर्मी दिखाई और बाधाओं के बढ़ने के साथ ही अप्रैल या मई तक सौदे का सुझाव दिया।

हूती विद्रोहियों पर फिर कहर बनकर टूटी अमेरिकी सेना, तेल बंदरगाह पर हुई बमबारी में 38 की मौत; 102 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि रास इस्सा तेल बंदरगाह पर अमेरिका ने हवाई हमला किया है। इस हमले में कम से कम 38 लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई है।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने भी इस हमलों की पुष्टि की है। अमेरिका ने हूतियों के कब्जे वाले रास इस्सा बंदरगाह पर बमबारी की है। हमला इतना घातक था कि 38 की जान चली गई।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका का हमला है जारी - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निर्देश मिलने के बाद अमेरिकी सेना 15 से हूती विद्रोहियों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही है। अभी तक अमेरिकी सेना द्वारा किए गए हमलों में मारे गए लोगों में रास इस्सा तेल बंदरगाह सबसे बड़ा हमला था और इसमें सबसे अधिक मौतें हुई है।

हमले का मुख्य उद्देश्य - अल मसीरा टीवी के अनुसार, अमेरिकी सेना ने कहा कि हमलों का मुख्य उद्देश्य हूती विद्रोहियों के लिए ईंधन के स्रोत को काटना था। इस हमले में 102 लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इन हमलों का उद्देश्य हूतियों की शक्ति के आर्थिक स्रोत को कम करना था, जो अपने साथी देशवासियों का शोषण करते हैं और उन्हें दर्द पहुंचाते हैं।

हूतियों ने जहाजों को बनाया था निशाना- बता दें, नवंबर 2023 से, हूतियों ने जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर दर्जनों ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, उनका कहना है कि वे गाजा में युद्ध के विरोध में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे थे।

दुनिया में उनके जैसा कोई नहीं, 100 फीसद होगा सौदा..., मेलोनी से मुलाकात के बाद बोले ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ पर लगे टैरिफ को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ बैठक की। बैठक में दोनों ने कई मुद्दों पर बात की। ट्रंप ने कहा कि हमें फिलहाल यूरोपीय संघ पर लगे टैरिफ को खत्म करने की कोई जल्दी नहीं है। इस बीच ट्रंप ने मेलोनी की दिल खोलकर तारीफ की।

उन्होंने कहा-आपके जैसा दुनिया में कोई नहीं है। व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात के दौरान मेलोनी ने खुद को एकमात्र यूरोपीय बताते हुए मेलोनी ने अपने रूढ़िवादी साझा आधार पर की बात की और कहा कि वह पश्चिम देशों को फिर से महान बनाना चाहती हैं। मेलोनी ने कहा, ट्रंप ने कहा था, ट्रंप को 100 फीसदी भरोसा है कि हमारे बीच एक व्यापारिक समझौता होगा।

ओवल ऑफिस में हुई दोनों के बीच बैठक

दोनों नेताओं ने लंच और ओवल ऑफिस में एक बैठक के दौरान गर्मजोशी से बात की, जिसमें ट्रंप ने 48 साल की इतालवी प्रीमियर को शानदार बताया।

मेलोनी यूरोप के पहले नेता हैं जो रिपब्लिकन नेता ट्रंप से मिलने आई हैं। ट्रंप ने यूरोपीय संघ के निर्यात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसे उन्होंने 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। इतालवी नेता ने कहा कि ट्रम्प ने भविष्य में रोम आने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और वे वहां यूरोपीय नेताओं से भी मिल सकते हैं।

मैं मेलोनी को बहुत पसंद करता हूं- ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं उन्हें (मेलोनी) बहुत पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहतरीन प्रधानमंत्री है और इटली में बेहतरीन काम कर रही हैं।

कौन हैं एएस दुलत? कश्मीर पर लिखी किताब, अब चर्चा में... फारूक और वाजपेयी के रहे करीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत की किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई की काफी चर्चा हो रही है। दुलत ने अपनी किताब में धारा 370 और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को लेकर बड़ा दावा किया है।

दुलत ने लिखा है कि कश्मीर से धारा 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को फारूक अब्दुल्ला का निजी तौर पर समर्थन था। हालांकि उन्होंने किताब में ये भी दावा किया है कि फारूक इस बात को लेकर नाराज भी थे कि केंद्र सरकार ने फैसले से पहले उन्हें विश्वास में क्यों नहीं लिया। लेकिन ऐसा नहीं है कि दुलत पहली बार चर्चा में आए हों। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने से लेकर मुफ्ती मोहम्मद सईद पर टिप्पणी तक, उन्होंने कई बार सुर्खियां बटोरीं।

आज के एक्सप्लेनर में आपको बताएंगे रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत और उनसे जुड़े किस्सों के बारे में- एएस दुलत का जन्म पंजाब के सियालकोट में दिसंबर 1940 में एक सिख परिवार में हुआ था। भारत के विभाजन के समय उनके पिता जस्टिस शमशेर सिंह दुलत परिवार के साथ दिल्ली शिफ्ट हो गए। एएस दुलत ने शिमला के बिशप कॉटन स्कूल से अपनी शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी से उन्होंने ग्रेजुएशन किया।

दुलत का रुझान सिविल सर्विस की तरफ हुआ, तो उन्होंने यूपीएससी का इम्तिहान दिया। पहले अटेम्प्ट में तो उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन 1964 में दूसरे प्रयास में उन्होंने एग्जाम क्रैक कर लिया। उन्हें राजस्थान कैडर मिला और बतौर आईपीएस दुलत ने अपनी सेवा देनी शुरू कर दी।

हैदराबाद में दो बच्चों की चाकू से गोदकर हत्या, फिर मां ने खुद की सुसाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक महिला ने कथित तौर पर नारियल काटने वाले चाकू से अपने दो बेटों की हत्या कर दी और फिर अपने आवासीय अपार्टमेंट से कूदकर आत्महत्या कर ली।

गुरुवार शाम को इमारत से कूदने के बाद महिला (35) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा बेटा जिसकी उम्र 11 साल है खून से लथपथ मृत पाया गया। उन्होंने बताया कि उसका छोटा बेटा 9 साल का है और गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई।

सुसाइड नोट से हुआ खुलासा- एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला द्वारा लिखे गए सात पन्नों के सुसाइड नोट से पता चलता है कि वह भावनात्मक रूप से परेशान थी और अपने पति से नाराज थी। उन्होंने यह भी कहा कि महिला और दोनों बच्चे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे।

12 साल की बच्ची की गला दबाकर हत्या- इससे पहले गाजियाबाद से भी इस तरह का हैरान करने वाला मामला सामने आया था।

ऑनर किलिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला, परिवार पर तय होंगे हत्या के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में ऑनर किलिंग के एक मामले में गैर इरादतन हत्या का आरोप तय किए जाने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मामले में आरोपी परिवार के खिलाफ हत्या का आरोप तय करने का आदेश दिया है।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने मामले में गैर इरादतन हत्या का आरोप तय करने के लिए निचली अदालत और इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती- पीठ ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को 26 वर्षीय जियाउर रहमान के पिता की सहमति से सहारनपुर की अदालत में केस चलाने के लिए एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का आदेश दिया है।

रहमान की उसकी प्रेमिका के परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पुलिस को आईपीसी की धारा 304 के तहत गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाने की अनुमति दी थी।

इस धारा में दस वर्ष से उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। जबकि 302 में उम्रकैद या मौत की सजा हो सकती है।

महाराष्ट्र में मराठी पहले... स्कूलों में हिन्दी पढ़ाने पर क्या बोले डिप्टी सीएम अजित पवार?

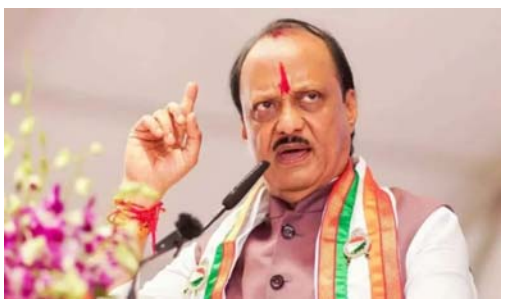

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में छिड़ी भाषा की जंग का असर देश के कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। सत्तापक्ष के लोग हिन्दी पढ़ाने का समर्थन कर रहे हैं, तो वहीं कई विपक्षी नेताओं ने हिन्दी भाषा के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र में भी हिन्दी भाषा को स्कूलों में लागू करने की योजना बन रही है। इसी बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

महाराष्ट्र सरकार स्कूलों में कक्षा 1-5 तक हिन्दी पढ़ाने पर जोर दे रही है। ऐसे में मराठी और अंग्रेजी के अलावा हिन्दी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने की योजना बन रही है। हालांकि कई पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं।

अजित पवार का बयान- महाराष्ट्र के स्कूलों में हिन्दी पढ़ाने पर बात करते हुए अजित पवार ने कहा कि मराठी हमारी मातृभाषा है और इसे हमेशा राज्य में पहला दर्जा प्राप्त रहेगा। इसी के साथ अजित पवार ने हिन्दी भाषा का विरोध करने वालों की आलोचना की है। उनका कहना है कि जो भी लोग हिन्दी का विरोध कर रहे हैं, उनके पास बोलने के लिए कोई मुद्दा नहीं है, तो वो इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हिन्दी का किया समर्थन- दरअसल अजित पवार ने पिंपरी छिंदवाड़ा में चापेकर बंधुओं को समर्पित राष्ट्रीय मेमोरियल के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया था। इस दौरान हिन्दी भाषा पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग हिन्दी को लेकर विवाद खड़ा कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास करने के लिए और कुछ है ही नहीं। अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल पूरे देश में होता है। इसी तरह कई राज्यों में हिन्दी भी बोली जाती है।

राज ठाकरे ने जताया विरोध- महाराष्ट्र सरकार ने कक्षा 1-5 तक में हिन्दी भाषा को अनिवार्य करने का फैसला लिया है। अब स्कूलों में मराठी और अंग्रेजी के अलावा हिन्दी भी पढ़ाई जाएगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है।

सीईटी परीक्षा केंद्र पर जनेऊ पहन कर जाने से विवाद, छात्र को परीक्षा देने से रोका; मामले की शुरू हुई जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बीदर और शिवमोग्गा जिलों के केंद्रों पर कुछ छात्रों से सीईटी परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले कुछ छात्रों से कथित तौर पर उनके जनेऊ (ब्राह्मणों द्वारा पहना जाने वाला पवित्र धागा) उतारने को कहा गया। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया।

मामला बढ़ते देख राज्य के शिक्षा मंत्री ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बता दें कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करने के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) आयोजित किया जाता है।

बिना पेपर दिए परीक्षा केंद्र से लौटा छात्र- अधिकारियों की मानें तो बीदर में एक छात्र को गुरुवार सुबह गणित का पेपर दिए बिना ही घर लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि साईं स्फूर्ति कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर स्क्रीनिंग कमेटी ने कथित तौर पर उससे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले जनेऊ हटाने के लिए कहा था।

मामले में एक अधिकारी ने बताया कि लड़के ने स्टाफ (तलाशी दल में शामिल पुलिस कर्मियों) से गुहार लगाई कि उसे हॉल में जाने दिया जाए, क्योंकि जनेऊ पहनकर उसके किसी भी तरह के कदाचार में शामिल होने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

हालांकि, स्टाफ ने उसे यह कहते हुए प्रवेश नहीं दिया कि इससे वह खुद को नुकसान पहुंचा सकता है। उससे जनेऊ उतारने और फिर परीक्षा हॉल में प्रवेश करने को कहा गया। लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया और गणित का पेपर दिए बिना ही केंद्र से चला गया। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि एक दिन पहले ही इसी छात्र ने बिना किसी परेशानी के जनेऊ पहनकर भौतिकी और रसायन विज्ञान की परीक्षा दी थी।

भारतीय पासपोर्ट की कोई वैल्यू नहीं, विदेश में एंट्री को लेकर ब्लॉगर को हुई दिक्कत; सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में भारत को विश्वगुरु कहे जाने की बातें सामने आती रहती है। लेकिन कई ऐसे कड़वे सच भी सामने आ रहे हैं, जो हमें सोचने को मजबूर कर रहे हैं। हाल ही में एक ट्रैवल व्लॉगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है और वीडियो में उसने भारतीय पासपोर्ट की वैल्यू बताई है।

क्या है वायरल वीडियो में- वायरल वीडियो में व्लॉगर अपने हाथ में भारतीय पासपोर्ट लिए दिखता है और वो भारतीय पासपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरती वैल्यू और इसके चलते होने वाली दिक्कतों को हाईलाइट करता है।

वीडियो में व्लॉगर ने कहा, ये जो चीज मेरे हाथ में है न, इसकी कोई वैल्यू नहीं है। भले ही हम थाईलैंड, मलेशिया, नेपाल या श्रीलंका जैसे देशों में बिना वीजा या ऑन अराइवल वीजा के साथ जा सकते हैं, लेकिन असली मुश्किल तब आती है जब हम किसी बड़े देश की तरफ जाते हैं।

कई देशों में भारतीय पासपोर्ट में पाबंदियां- अपने वीडियो में ट्रैवल व्लॉगर ने बताया कि कई ऐसे देश हैं जो भारतीय पासपोर्ट पर वीजा ऑन अराइवल सुविधा को बंद करते जा रहे हैं। चीन जैसे देश भारतीय नागरिकों को महज 24 घंटे का वीजा-फ्री ट्रांजिट देते हैं, जबकि अन्य देशों को 10 दिनों तक की छूट मिलती है। जॉर्डन ने भारतीय पासपोर्ट देखकर एंट्री देने से मना कर दिया और मिस्र जैसे देश अब इनविटेशन लेटर मांगने लगे हैं।

वीडियो में व्लॉगर ने कहा, मेरे पास सारे दस्तावेज होते हैं, टिकट होती है, पैसे भी होते हैं, लेकिन जैसे ही पासपोर्ट की चेकिंग होती है तो मुझे ऊपर से लेकर नीचे तक देखा जाता है और कई बार घंटों तक इंतजार करवाया जाता है और कभी-कभी एंट्री से मना कर दिया जाता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण षष्ठमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है...

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।

दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी।

इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी।

बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं। आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐसा वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों व अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें।

महात्मा हंसराज

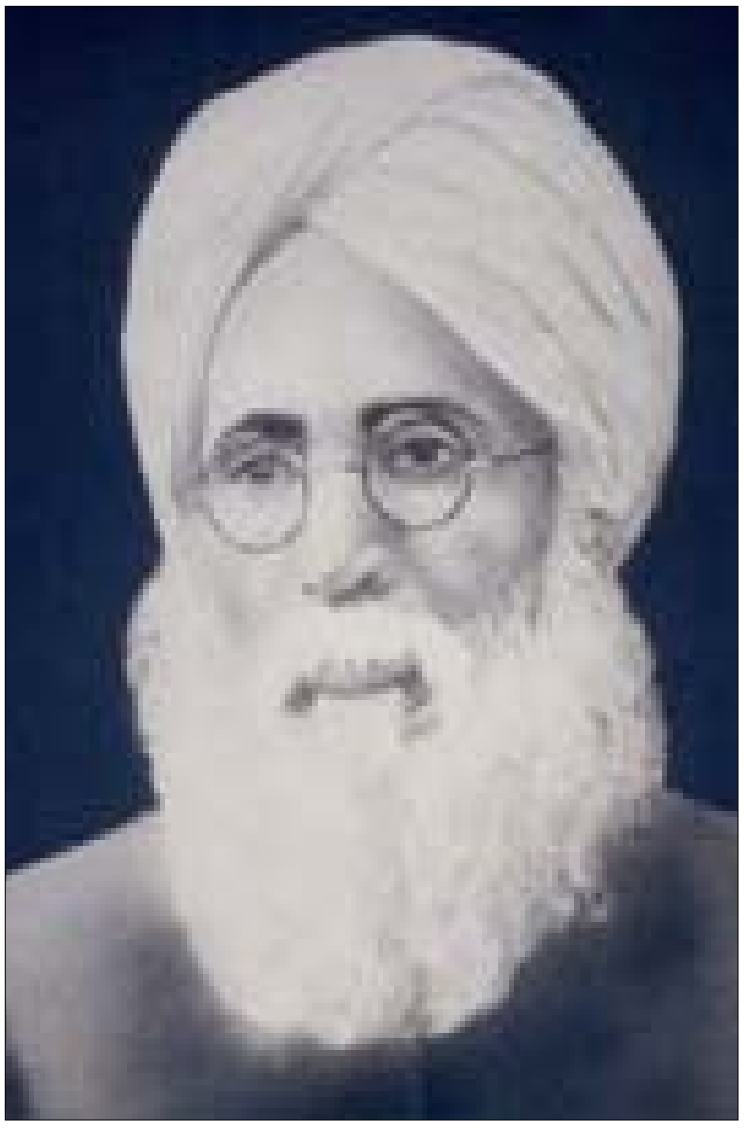

महात्मा हंसराज पंजाब के प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद थे। उनके महत्त्वपूर्ण योगदान और प्रयासों के फलस्वरूप ही देशभर में डी.ए.वी. के नाम से 750 से भी अधिक विद्यालय व महाविद्यालय गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। हंसराज जी स्वामी दयानन्द सरस्वती के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे। वे जातिवाद के प्रबल विरोधकर्ता थे।

जन्म तथा शिक्षा

महात्मा हंसराज का जन्म 19 अप्रैल, 1864 ई. को होशियारपुर ज़िला, पंजाब के बजवारा नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता चुन्नीलाल जी साधारण परिवार से सम्बन्ध रखते थे। हंसराज जी का बचपन अभावों में व्यतीत हुआ था। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। केवल 12 वर्ष की उम्र में ही इनके पिता का देहांत हो गया। हंसराज जी की आंरभिक शिक्षा स्थानीय स्कूल से ही प्रारम्भ हुई थी। डिग्री की शिक्षा उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से पूरी की।

स्वामी दयानन्द का प्रभाव

सन 1885 में जब वे लाहौर में अपने बड़े भाई मुल्कराज के यहाँ रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, उसी समय लाहौर में स्वामी दयानन्द सरस्वती के सत्संग में जाने का अवसर इन्हें मिला। स्वामी दयानन्द के प्रवचन का युवक हंसराज पर बहुत प्रभाव पड़ा। अब उन्होंने समाज सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। हंसराज जी आवश्यक कार्यों से बचा सारा समय मोहल्ले के ग़रीब तथा अनपढ़ लोगों की चिट्ठी-पत्री पढ़ने और लिखने में ही लगा देते थे।

विद्यालय की स्थापना

स्वामी दयानन्द की स्मृति मे एक शिक्षण संस्था की स्थापना का विचार बहुत समय से चल रहा था। परंन्तु धन का अभाव इनके रास्ते में आ रहा था। उनके बड़े भाई लाला मुल्कराज स्वंय भी आर्य समाज के विचारों वाले व्यक्ति थे। उन्होंने हंसराज के सामने प्रस्ताव रखा कि वे इस शिक्षा संस्था का अवैतनिक प्रधानाध्यापक बनना स्वीकार कर लें। उनके भरण-पोषण के लिए वे हंसराज को अपना आधा वेतन अर्थात तीस रुपये प्रति मास देते रहेगें। व्यक्तिगत सुख के ऊपर समाज की सेवा को प्रधानता देने वाले हंसराज ने संहर्ष ही इसे स्वीकार कर लिया। इस प्रकार 1 जून, 1886 को महात्मा हंसराज दयानन्द एंग्लो-वैदिक हाई स्कूल लाहौर के अवैतनिक प्रधानाध्यापक बन गए। इस समय उनकी आयु 22 वर्ष थी।

समाज सेवा

सन 1889 में दयानन्द एंग्लो-वैदिक हाई स्कूल एक कॉलेज बन गया। इस पर भी हंसराज जी अवैतनिक रूप से कार्य करते रहे। उन्होंने सन 1911 तक इस पद पर कार्य किया। इसके बाद ही उन्हें दयानन्द कॉलेज प्रबंध समिति का अध्यक्ष चुन लिया गया। वर्ष 1918 में लोग उन्हें पुनः इस पद पर चुनना चाहते थे, पर महात्मा हंसराज इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा समय समाज सेवा को समर्पित कर दिया। 1919 में उन्होंने अमृतसर में इंडियन सोशल कांफ्रेंस की अध्यक्षता की। देश-विदेश के आर्य समाजियों की जो पहली कांफ्रेंस 1927 में भारत में हुई, वे उसके अध्यक्ष भी चुने गए।

महत्त्वपूर्ण कार्य

महात्मा हंसराज जी के कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य इस प्रकार थे-

सन 1922 में हंसराज जी के कार्यकर्ता केरल के 2500 से भी अधिक लोगों को पुन- हिन्दू धर्म में वापस लाये। ये लोग मोपला विद्रोह में बलपूर्वक मुस्लिम बना दिये गये थे। विकट परिस्थितियों के बावजूद भी यह कार्य महात्मा हंसराज के नेतृत्व में एक शिविर लगाकर लाला कौशलचन्द और पंडित मस्तान चन्द ने किया था।

सन 1895 में बीकानेर में आये भीषण अकाल के दौरान दो वर्षों तक बचाव व सहायता का कार्य किया और ईसाई मिशनरियों को सेवा के छद्मवेश में पीड़ित जनता का धर्म-परिवर्तन करने से रोका। लाला लाजपतराय इस कार्य में अग्रणी रहे।

जोधपुर के अकाल में लोगों की सहायता हेतु 1400 अनाथ बच्चे आर्य अनाथालयों में पालन-पोषण के लिये लाये गये।

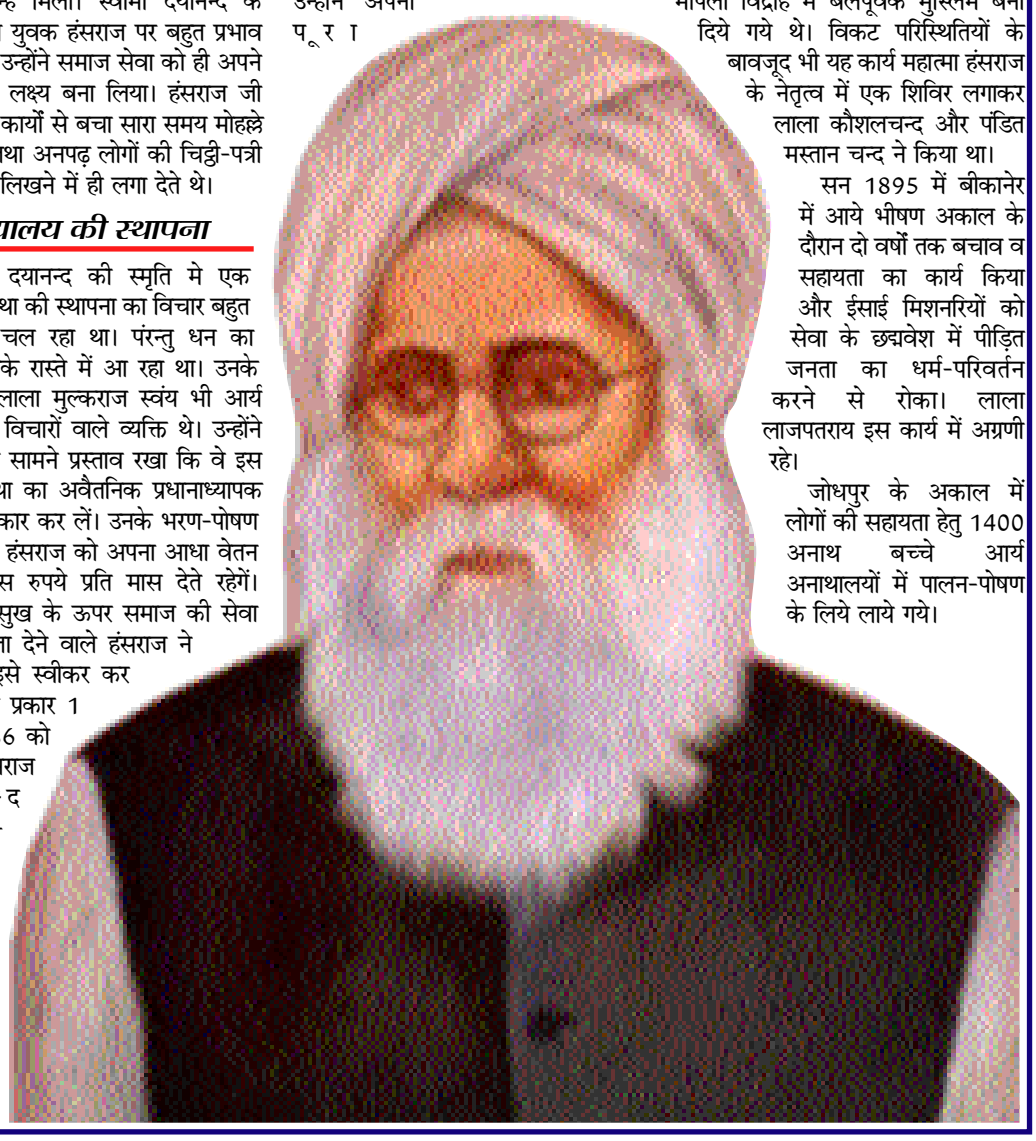

सेविंग करने में हो रही है दिक्कत? अपनाएं 50,30 और 20 का नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेश स्कीम और म्यूचुअल फंड के बारे में हम ज्यादातर पढ़ते हैं। लेकिन अगर इसमें निवेश करने के लिए पैसे ही ना बचें। तो इन सब का कोई फायदा नहीं। महीने का अंत आने से पहले ही सारी सैलरी उड़ जाती है। सैलरी के सारे पैसे ईधर-ऊधर के खर्चों में चले जाते हैं।

सेविंग करना इतना मुश्किल भी नहीं है, जितना हम समझते हैं। इसके लिए बस आपको अपने खर्चे और सैलरी की एक प्लानिंग करनी होगी। सैलरी को इस तरह से बांटना होगा कि सेविंग के साथ-साथ जरूरतें भी पूरी हो सके।

वैसे तो सेविंग को लेकर कई नियम बनाए गए हैं। हालांकि आज हम मुख्य तौर पर 50-30-20 नियम के बारे में डिटेल में जानेंगे। 50-30-20 नियम से कैसे करे सेविंग- 50-30-20 के नियम के अनुसार आपको अपनी सैलरी 50-30-20 के रेश्यू में बांटना होगा। ये नियम कहता है कि सैलरी का 50 फीसदी हिस्सा सभी खर्चों के लिए निकाल लें। वहीं 30 फीसदी पैसा आपने शौक के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे मूवी देखना, कहीं घूमना इत्यादि।

इसके साथ ही सैलरी का 20 फीसदी हिस्सा सेविंग के लिए उपयोग करें। आप चाहे तो 30 फीसदी पैसा सेविंग और 20 फीसदी पैसा अपने शौक के लिए खर्च कर सकते हैं।

ये सेविंग का आधा पैसा आप सुरक्षित प्लेटफॉर्म और बाकी का बचा पैसा असुरक्षित प्लेटफॉर्म जैसे म्यूचुअल फंड पर निवेश कर सकते हैं।

उदाहरण से समझें- अगर किसी व्यक्ति की सैलरी 30 हजार रुपये हैं, तो वे अपना 50 फीसदी पैसा यानी 15 हजार रुपये अपने खर्च पर लगा सकते हैं। इसके अलावा 30 फीसदी पैसा यानी 9000 रुपये अपने शौक पर खर्च करें या अपनी कोई मनपसंद वस्तु खरीद लें।

इसके साथ ही 20 फीसदी पैसा यानी 6000 रुपये सेव कर सकते हैं। जिनमें से 3000 रुपये म्यूचुअल फंड और बाकी के 3000 रुपये एफडी में निवेश कर सकते हैं।

लोन पेमेंट भूलने पर क्या करें? कैसे करें अपना नुकसान कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महंगाई के जमाने में अपनी मनपसंद या जरूरत का सामान लेने के लिए लोन का सहारा लेना पड़ता ही है। लोन के जरिए आप चीजे आसानी से खरीद पाते हैं। हालांकि आपको वस्तु के मूल्य के साथ ब्याज भी चुकाना पड़ जाता है। ये पैसे आप हर महीने ईएमआई के रूप में चुकाते हैं।

लेकिन अगर आप गलती से या किसी अन्य कारण के चलते लोन की ईएमआई भरना भूल जाएं, तो नुकसान से बचने या कम करने के लिए तुरंत कुछ कदम उठाने होंगे।

लोन पेमेंट भूलने पर उठाएं ये कदम- लोन की ईएमआई देरी पर भरने से या भूलने पर आपको चार्ज या शुल्क देना पड़ सकता है। वहीं इसका आपके क्रेडिट रिपोर्ट पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। अलग-अलग बैंक या वित्तीय संस्थान अलग-अलग चार्ज या शुल्क वसूल सकती है।

अगर ईएमआई पेमेंट की डेट में कुछ दिन की देरी हुई है। तो इसे जल्द से जल्द भरने की कोशिश करें। क्योंकि कुछ बैंक या वित्तीय संस्थान पेमेंट डेट पूरी होने के बाद भी तीन से चार दिन की छूट देती है। इस तरह से आप किसी भी तरह के चार्ज या शुल्क से बच सकते हैं।

हो सके, तो इस बारे में अपने बैंक या वित्तीय संस्थान को सूचित जरूर करें। इसके साथ ही उन्हें बताएं कि देरी किसी कारण वर्ष हुआ है।

ICICI Bank ने घटाएं FD की ब्याज दरें, क्या है लेटेस्ट इंटरेस्ट रेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीआईसीआई बैंक देश की दिग्गज प्राइवेट बैंक है। आईसीआईसीआई बैंक से पहले कई सरकारी और पब्लिक बैंक अपना ब्याज दर पहले से ही रिवाइज या बदल चुके हैं। अब आईसीआईसीआई बैंक भी इस लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

आईसीआईसीआई बैंक ने सिर्फ सेविंग अकाउंट के ब्याज दर ही नहीं, बल्कि एफडी के ब्याज दर में भी कटौती की है। जिसका मतलब हुआ कि अब बैंक में पैसे जमा रखने पर ग्राहकों को कम ब्याज मिलेगा।

FD पर कितना मिलेगा अब ब्याज- आईसीआईसीआई बैंक ने कुछ पीरियड वाले एफडी की ब्याज दरें बदली है। वहीं कुछ पीरियड की ब्याज दर पहले जैसे ही रखी गई है।

30 से 45 दिन के एफडी पर अब ब्याज दर 3% हो गई है।

61 से 90 दिन वाली एफडी में अब ग्राहकों को 4.25 ब्याज ऑफर किया जाएगा।

15 से 18 महीने वाले एफडी में ब्याज दर 6.8% और 18 महीने से 2 साल वाली एफडी में 7.05% ब्याज दिया जा रहा है।

5 साल से 10 साल की एफडी की ब्याज दर 6.8त्न हो गई है। इसके साथ टैक्स सेविंग वाली एफडी की दर 6.9 फीसदी हुई है।

बैंक ने एफडी के अलावा सेविंग अकाउंट पर मिलने वाला ब्याज दर भी घटा दिया है। बैंक ने ये दर 0.25 फीसदी घटाया है।

अगर आप भी हाल फिलहाल में एफडी में निवेश करने प्लान बना रहे हैं। तो नीचे दिए गई लिस्ट जरूर चेक कर लें। इस लिस्ट के जरिए आपको पता चलेगा कि कौन-सा बैंक एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दे रहे हैं।

आईटीआर फाइल करते समय क्या टैक्स रिजीम बदला जा सकता है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैक्सपेयर्स के पास आईटीआर फाइल करने के लिए दो अलग-अलग ऑप्शन अवेलेबल है। इनमें ओल्ड टैक्स रिजीम और नई टैक्स रिजीम शामिल हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत टैक्सपेयर्स को सालाना लगभग 12 लाख की इनकम पर कोई टैक्स पेय नहीं करना होगा। हालांकि इस टैक्स रिजीम के तहत कई टैक्स छूट नहीं मिलती है। इनमें मुख्य तौर पर सेक्शन 80 सी शामिल है। सेक्शन 80 सी के तहत ओल्ड टैक्स रिजीम के अंतर्गत 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट मिल जाती है। दोनों ही टैक्स रिजीम के अलग-अलग लाभ है।

बहुत से टैक्सपेयर्स के मन में ये सवाल उठ रहा है कि क्या ओल्ड टैक्स रिजीम से नई टैक्स रिजीम में स्विच किया जा सकता है या नई टैक्स रिजीम से फिर वापस ओल्ड टैक्स रिजीम में जाया जा सकता है। आइए जानते है कि टैक्स रिजीम को लेकर क्या नियम बनाए गए हैं। इनकम टैक्स के नियम के मुताबिक मौजूदा समय में कोई भी टैक्सपेयर्स ओल्ड टैक्स रिजीम से नई टैक्स रिजीम में बदलाव कर सकता है। आपको आईटीआर फाइल करते वक्त ये ऑप्शन दिया जाएगा। जिसका मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति पिछले साल 2024-25 के समय में आईटीआर फाइल करते वक्त ओल्ड टैक्स रिजीम का चयन कर रहा था।

कौन-सा बैंक ले रहा है होम लोन पर सबसे कम ब्याज?

नई दिल्ली (एजेंसी)। होम लोन के जरिए आप घर भी खरीद लेते हैं, वहीं नए घर के खर्च का भार आपके सेविंग पर भी कम पड़ता है। होम लोन की अवधि आमतौर पर काफी लंबी रहती है। ऐसे में हर कोई चाहेगा कि उसे कम से कम ईएमआई या ब्याज देना पड़े।

आज हम ऐसे बैंक के बारे में जानेंगे जो होम लोन पर सबसे कम ब्याज ले रहे हैं। हालांकि हम ये सलाह देंगे कि लोन लेने से पहले बैंक की वेबसाइट पर ब्याज दर एक बार फिर चेक कर लें। इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि बैंक प्री-क्लोजर या फोरक्लोजर चार्ज कितना वसूल रही है।

सबसे कम ब्याज लेने वाले बैंक - सभी

बैंकों में से एसबीआई यानी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लोन पर सबसे ज्यादा ब्याज वसूल रहा है। बैंक अपने ग्राहकों से 8.25 फीसदी ब्याज ले रही है।

इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक होम लोन पर 8.70 फीसदी तक ब्याज ले रही है। रेपो रेट में बदलाव से पहले ये दर 9.55 फीसदी था।

ICICI बैंक होम लोन पर 9 फीसदी तक ब्याज ऑफर कर रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक होम लोन पर 8.50 फीसदी ब्याज ले रहा है।

इसके साथ ही इंडियन बैंक 8.95 फीसदी और बैंक ऑफ इंडिया 7.90 फीसदी तक ब्याज ले रहा है।

इन सभी बैंकों में से बैंक ऑफ महाराष्ट्र होम लोन पर 7.85 फीसदी ब्याज ले रहा है।

ऐसे भी कम कर सकते हैं ईएमआई

अगर आप ईएमआई ज्यादा से ज्यादा कम करना चाहते हैं, तो अपने डाउनपेमेंट की वैल्यू को बढ़ा दें। जिससे आप बैंक से कम अमाउंट का लोन लेंगे। वहीं ईएमआई भी कम हो जाएगी। इसके साथ ही क्रेडिट स्कोर अगर अच्छा हो, तो भी बैंक या वित्तीय संस्थान कम ब्याज पर दें देती है।

वहीं जब भी आपके पास एकमुश्त पैसे आएं, तो ये पैसे लोन चुकाने में निवेश कर दें। इससे आपका प्रिंसपिल अमाउंट कम हो जाएगा। वहीं आपको भविष्य में ईएमआई भी कम देना होगा।

60 साल के बाद भी होती रहेगी रेगुलर इनकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसडब्ल्यूपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का जरिया है। एसडब्ल्यूपी और एसआईपी को साथ में इस्तेमाल कर रिटायरमेंट के लिए मोटी रकम पेंशन के रूप में प्राप्त कर सकते हैं।

अगर आप इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा लेना चाहते हैं, तो इसे जल्द से जल्द से शुरू कर दें। एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों ही म्यूचुअल फंड में निवेश करने का आसान तरीका है। इन दोनों को इस तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है कि रिटायरमेंट के लिए मोटा फंड बनकर तैयार हो जाता है।

कैसे बनेगा रिटायरमेंट के लिए फंड- सबसे पहले जितना जल्द हो सके, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश करना शुरू कर दें। एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश कर आपको अनुमानित 12 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव से ठगी के सर्वाधिक 1.30 करोड़ रुपये प्रयागराज के खाते में भेजे

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन आश्रम थाटीपुर के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को डिजिटल अरेस्ट कर की गई दो करोड़ 52 लाख 99 हजार रुपये की ठगी के मामले में पुलिस को अहम जानकारी मिली है। ठगी गई रकम में से 10 लाख रुपये उज्जैन के एक बैंक खाते से निकाले गए। वहीं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक बैंक खाते में ठगी की रकम में से सर्वाधिक 1.30 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। यह करंट बैंक खाता एक फर्म के नाम पर है। पुलिस ने आशंका जताई है कि फर्म शैल कंपनी हो सकती है। 17 मार्च से लेकर 11 अप्रैल के बीच 26 दिनों तक स्वामी सुप्रदिप्तानंद को डिजिटल अरेस्ट रखा गया था।

उन्हें नासिक पुलिस का इंस्पेक्टर बनकर ठग ने डराया-धमकाया।

आश्रम के खातों से 26 दिनों में दो करोड़ 52 लाख 99 हजार रुपये देशभर के अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए।

स्वामी सुप्रदिप्तानंद से नकली इंस्पेक्टर ने धमकाकर कहा था कि जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल के मनी लांड्रिंग केस में उनके केनरा बैंक के खाते से 20 करोड़ का अनैतिक लेनदेन हुआ है।

इस मामले की जांच ग्वालियर पुलिस की क्राइम ब्रांच थाना पुलिस कर रही है। सचिव ने अपने आश्रम के बैंक खातों से पूरा ट्रांजेक्शन किया।

इसमें से सबसे अधिक रकम प्रयागराज के खाते में गई। बैंक खातों की पहली लेयर में पुलिस को प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली, केरला, रुड़की, मणिपुर, गुवाहाटी, छतरपुर, उज्जैन के बैंक खातों के बारे में पता चला है। पुलिस टीमें इन शहरों में जांच के लिए भेजी जा रही हैं।

प्रदेश में मई से हो सकते हैं तबादले, नीति जल्द कैबिनेट में आएगी

भोपाल। प्रदेश में तीन वर्ष से लगा तबादले पर से प्रतिबंध मई में हटाया जा सकता है। सरकार तबादला नीति घोषित करने की तैयारी में है। इसमें जिले के भीतर स्थानांतरण करने का अधिकार प्रभारी मंत्री को दिया जाएगा। किसी भी संवर्ग में 20 प्रतिशत से अधिक तबादले नहीं होंगे। गंभीर बीमारी, पति-पत्नी को एक स्थान पर पदस्थ करने, प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर स्थानांतरण किए जा सकेंगे। आदिवासी क्षेत्रों में तबादला उसी स्थिति में होगा, जब वहां दूसरी पदस्थापना सुनिश्चित हो जाए। प्रदेश में चार लाख से अधिक नियमित कर्मचारी हैं। अभी मंत्रियों को विशेष परिस्थिति में तबादला करने के अधिकार दिए गए हैं।

लेकिन विधानसभा का बजट सत्र आने के कारण इसका भी अधिक उपयोग नहीं हो सका।

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर तबादला करने की छूट देने की नीति तैयार करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि तीन वर्ष से सामान्य प्रकृति वाले तबादले नहीं हुए हैं।

मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री समन्वय में वे प्रकरण ही आते हैं, जो गंभीर और अति आवश्यक प्रकृति के होते हैं।

विभागों के मैदानी कार्यालयों में कई अधिकारी लंबे समय से पदस्थ हैं।

प्रशासनिक दृष्टि से परिवर्तन आवश्यक होता है। इसे देखते हुए नीति जल्द घोषित की जाएगी। इसमें उन अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले मुख्यमंत्री समन्वय की अनुमति के बिना नहीं होंगे।जिन्हें मुख्यमंत्री की नोटशीट के आधार पर दूसरे स्थान पर पदस्थ किया गया था।

प्राइमरी स्कूल का शिक्षक बच्चों को पिला रहा था शराब, वीडियो वायरल होने पर मचा हड़कंप

कटनी। जिले के शासकीय प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती खिरहनी के प्राथमिक शिक्षक का छात्रों को शराब पिलाते और उनको प्रेरित करते हुए का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से हड़कंप मच गया। कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच कराई। जांच के बाद प्राथमिक शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राथमिक शिक्षक का बच्चों को शराब पिलाने संबंधी वायरल वीडियो शुक्रवार को ही कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के संज्ञान में आया।

इसके तत्काल बाद कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे।डीईओ पीपी सिंह ने त्वरित तौर पर वीडियो में दिख रहे शिक्षक की पहचान करने के लिए जिले के सभी छह विकासखंडों के विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को वीडियो भेजा। जिस पर बड़वारा के विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने वीडियो में दिख रहे शिक्षक के संबंध में संपूर्ण जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी को दी। इसमें बताया गया कि वीडियो में दिख रहे शिक्षक संकुल केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक बरही के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती खिरहनी के प्राथमिक शिक्षक लाल नवीन प्रताप सिंह हैं।शिक्षक की पहचान होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक शिक्षक को कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि बच्चों को शराब सेवन कराना और पीने के लिए प्रेरित करना घोर लापरवाही व शिक्षकीय पद की गरिमा को धूमिल करता है। शिक्षक सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी बड़वारा नियत किया गया है।

कथक अश्वमेध का महायज्ञ संपन्न गुजरात की अनाहिता वानारे बनीं विजेता

भोपाल। शास्त्रीय नृत्य की परंपरा को जीवित रखते हुए कथक अश्वमेध का दूसरा संस्करण भोपाल के शहीद भवन सभागार में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक महायज्ञ था, जिसमें देशभर के युवा कलाकारों ने नृत्याहुतियाँ दीं। कुछ कलाकारों ने लय और गति से मंच को सजाया, तो कुछ ने भावनाओं की गहराई से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन निर्झर कला संस्थान, नागपुर द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। हर प्रतिभागी ने अपनी कला का सर्वोत्तम प्रदर्शन किया, लेकिन निर्णायक मंडल ने तीन प्रमुख कलाकारों को चुना, जिन्होंने कथक की अगली पीढ़ी की दिशा तय की। इस प्रतियोगिता में बड़ौदा, गुजरात की अनाहिता वानारे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मनस्वी भोजने और रायपुर के शिवांश कुर्म ने दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई।

इसके अलावा, नागपुर के गनेश बोरकुटे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उनके प्रदर्शन में दर्शकों को परंपरा और नवाचार का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला। समापन समारोह में शहीद भवन में मौजूद अतिथियों और निर्णायक मंडल ने इन युवा कलाकारों की सराहना की और आयोजन को एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया।इस कार्यक्रम में रायगढ़ घराने की प्रतिष्ठित नृत्यांगना और गुरु अल्पना बाजपेई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।उन्होंने कहा, ÷जिस तरह प्राचीन काल में कलाकारों को राजा-महाराजा राजाश्रय प्रदान करते थे, वैसी ही गरिमामयी भूमिका आज निर्झर कला संस्थान निभा रहा है।

अब सरकारी स्कूलों के टीचर्स की अटेंडेंस चेहरा दिखाकर लगेगी

भोपाल। अब सरकारी स्कूलों से शिक्षक गायब नहीं रह पाएंगे। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने नई पहल की है। प्रदेश के करीब चार लाख शिक्षकों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज होगी। यह एप शिक्षकों की लोकेशन दर्ज करेगा साथ ही आनलाइन चेहरा दिखाई देने पर ही उपस्थिति लगेगी। गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलेंगे तो जुलाई से शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी जाएगी।प्रदेश के 99,145 स्कूलों में से केवल 8,051 स्कूलों में ही शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति एम शिक्षा मित्र एप से दर्ज की जा रही है यानी 91,094 स्कूलों में इसका उपयोग ही नहीं हो रहा है।

जबकि यह व्यवस्था अनिवार्य की गई थी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े होते रहते हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी इस बात को कई बार स्वीकार कर चुके हैं कि प्रदेश में कुछ जिलों में शिक्षक स्कूल नहीं जाते हैं।

उनके स्थान पर दूसरे लोग पढ़ाने जाते हैं। वहीं कुछ शिक्षक स्कूलों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं।

तीन बार व्यवस्था बनाई गई लेकिन फेल हो गई।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2017, वर्ष 2020 और वर्ष 2022 में प्रयास किया।

ऑनलाइन उपस्थिति एम शिक्षा मित्र एप के जरिए शुरू की गई थी।

लेकिन शिक्षकों ने इस प्रक्रिया का विरोध किया।

कभी स्मार्ट फोन न होने तो कभी नेटवर्क न मिलने का बहाना बनाया गया।

ऑनलाइन उपस्थिति से कन्नी काटी जाती रही।

कई कारणों से यह प्रक्रिया ठीक से लागू नहीं हो पाई।

इंसानी भावों की अभिव्यक्ति बरकरार रखेगी वॉयस एक्टर्स की उपयोगिता

वॉयस एज ए करियर वर्कशॉप का शुभारंभ, हरीश भिमानी दे रहे प्रशिक्षण

इंदौर। ऐसा नहीं कि एआई के दौर में वॉयस एक्टर के सामने कोई चुनौती नहीं है, लेकिन मशीनी या क्लोन आवाज़ में जब तक इंसानी भावों की अभिव्यक्ति और अनुभूति नहीं होगी, वॉयस एक्टर्स की उपयोगिता बनी रहेगी। प्रबुद्ध स्वर विशेषज्ञ हरीश भिमानी ने यह बात कही। वे स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित वॉयस एज ए करियर वर्कशॉप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दो दिन की यह वर्कशॉप स्थानीय अभिनव कला समाज में गुरूवार को शुरू हुई। पहले दिन 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री भिमानी ने वर्कशॉप वॉयस एक्टिंग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने प्रतिभागियों को कुछ ऐसे अभ्यास भी बताए जिनसे आवाज़ को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, आपके बोलते ही आपकी तहजीब और आपके व्यक्तित्व का पता चलता है, जिसका बोलना बेहतर होता है, उसे अवसर भी बेहतर मिलते है।

श्री भिमानी ने ताज़ा ट्रेंड के मुताबिक कहा, आज वॉयस ओवर के लिए तो काम कम है लेकिन डबिंग में वॉयस एक्टर के लिए काफी काम है। परंतु आपको हिंदी के अलावा अंग्रेजी भाषा का भी ज्ञान होना चाहिए। उर्दू भी जरूर सीखना चाहिए।

वर्कशॉप में श्री भिमानी से समन्वयक श्री शकील अखूतर ने भी कुछ जरूरी सवाल पूछे। उन्होंने श्री भिमानी को, जानकारियों का खज़ाना और एक चलित स्मृति कोष करार दिया। उन्होंने आग्रह किया कि भिमानी जी को पॉडकास्ट के ज़रिए अपना बेशकीमती अनुभव प्रसारित करना चाहिए।

श्री भिमानी ने कहा, अगर हम बोलने के पहले केवल एक सेकंड भी सोच लेंगे तो हमें पता चल जाएगा कि हमें क्या नहीं बोलना है। कैसे और कितना बोलना है। बोलने में, उच्चारण में जितनी शुद्धता और स्पष्टता होगी, उतना ही आपका प्रभाव बढ़ेगा। इसलिए आराम से बोलिए। ठहरकर बोलिए। सोच समझकर बोलिए। अपने बोलने को लगातार बेहतर कीजिए।

उन्होंने कहा कि हममें जो कमियां है वह शायद हमारी गलतियां ना सुधारने वालों की गलती है। उन्हें आपको तो सुधारना ही है। नहीं तो वह खामियां बढ़ती रहती हैं। खुद को इंप्रूव करने के लिए आलोचक नहीं क्रिटिक बन जाओ। प्रारम्भ में हरीश भिमानी, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, वर्कशॉप समन्वयक शकील अखूतर, पंकज क्षीरसागर और पुष्कर सोनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर वर्कशॉप का शुभारम्भ किया। अतिथि परिचय पंकज क्षीरसागर ने दिया। श्री भिमानी का स्वागत प्रवीण खारीवाल और शकील अख्तर ने किया।

श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स की शेष 153 दुकानों के नये टेंडर 20 अप्रैल को होंगे जारी

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया आदि को लेकर बैठक संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे, संयुक्त आयुक्त श्रीमती सपना लोवंशी एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों से श्री गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन, किराया राशि जमा करने की कार्यवाही, एग्रीमेंट एवं अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गोपाल मंदिर शॉपिंग कॉम्पलेक्स स्थित दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया एवं किराया राशि जमा करने की प्रक्रिया समयावधि में पूर्ण करायें। बैठक में बताया गया कि दुकानों के लीज, एग्रीमेंट सम्पादन, किराया राशि जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च थी, जिसे दुकानदारों के आग्रह पर बढ़ाकर इसे 15 अप्रैल किया गया था। अब तक मात्र 68 दुकानदारों ने ही किराया राशि लीज-एग्रीमेंट के लिए कार्यवाही की थी। नियमानुसार जिन दुकानदारों ने 15 अप्रैल तक निर्धारित राशि/ प्रीमियम राशि/ अमानत राशि/ प्रतिमाह किराया की बकाया राशि का शत-प्रतिशत भुगतान नहीं किया है, उनका आवंटन स्वमेय निरस्त माना जायेगा। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संयुक्त कलेक्टर (माफी अधिकारी) श्रीमती कल्याणी पांडे को निर्देश दिए कि जिन 153 दुकानों के आवंटन नहीं हुए हैं, उनके नये टेंडर पुनः 20 अप्रैल को जारी किये जाये।

समग्र आईडी का आधार से ई-केवाईसी कराने वाले नागरिकों को ही मिलेगा शासकीय योजना/ सुविधाओं का लाभ

इंदौर। इंदौर जिले में मई माह से व्यवस्था लागू की जा रही है कि समग्र आईडी का आधार से ई-केवाईसी कराने वाले नागरिकों को ही शासकीय योजनाओं/सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। समग्र आईडी की ई-केवाईसी नहीं कराने वाले नागरिकों को किसी भी शासकीय योजनाओं/सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। समग्र से आधार ई केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत एमपी ऑनलाइन और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में ई-केवाईसी की सुविधा निःशुल्क दी जा रही है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने अभियान को गति देने के निर्देश दिए।

निःशुल्क होगी ई-केवाईसी- बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी समग्र आईडी की ई-केवाईसी जरूर करवा लें।

ई-केवाईसी का कार्य सभी कॉमन सर्विस सेंटर और एमपी ऑनलाइन केंद्र पर किया जा रहा है। यह सुविधा निःशुल्क है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वह अपनी समग्र आईडी का आधार से ई केवाईसी जरूर करवा लें।

नरवाई जलाने पर 10 किसानों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज, अब तक 13 एफआईआर दर्ज

इंदौर। इंदौर जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए आज 10 किसानों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। अब तक कुल 13 किसानों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। अभियान चलाकर की जा रही इस कार्रवाई में नरवाई जलाने वालों से अर्थ दंड भी वसूला जा रहा है।

यह कार्यवाही आगामी दिनों में भी निरन्तर जारी रहेगी। जिले में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर कनाडिया क्षेत्र में एक, मल्हारगंज में एक, खुड़ैल में एक, राऊ में 3, डॉ, अम्बेडकर नगर महू में एक, सांवेर में दो तथा देपालपुर में एक, इस तरह कुल 10 एफआईआर दर्ज कराई गई है। अब तक कुल 13 एफआईआर दर्ज करायी जा चुकी है।

जिले में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारियों द्वारा पंचायत सचिवों के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जा रहा है।

किसानों से अपील की जा रही है कि नरवाई न जलाएँ, नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है। किसान यदि नरवाई जलाता है तो राज्य शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है। ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उनको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2500 रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा।

शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

नवीन उपकरण एवं यंत्रों की खरीदी में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये- संभागायुक्त दीपक सिंह

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय के नियमित आय-व्यय के साथ रोगियों की सुविधा बढ़ाने हेतु नवीन उपकरण यंत्रों की खरीदी, संस्थान के नवीन शैक्षणिक भवन एवं पुस्तकालय के डिजीटलाइजेशन आदि बिन्दुओं पर प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र रघुवंशी, राऊ एसडीएम श्री गोपाल सिंह वर्मा, संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपीएस चौहान, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. एस.पी. सिंह, संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया, नई दिल्ली के प्रतिनिधि डॉ. सुश्रुत कनोजिया, लोक निर्माण विभाग के श्री अभय दुबे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में इलाज/जांच के लिए आने वाले रोगियों के साथ संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान की जाये।

मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में गठित जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा लगातार? जाँच की जा रही है। इसी क्रम में जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल कृषि विभाग इंदौर द्वारा गत 07 अप्रैल को 217-एस.आर. कम्पाउण्ड लसुडिया मोरी देवास नाका का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. जलगांव महाराष्ट्र के उत्पाद अकार्बनिक सूक्ष्म तत्व, मिश्रण उर्वरक, जैव उर्वरक, बायो स्टीमुलेंट अवैध रूप में भण्डारित पाये गये। उक्त अनियमितता उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लघंन होने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत दण्डनीय अपराध है। मेसर्स सनसाईन एग्री प्रा.लि. के विरूद्ध पुलिस थाना लसुडिया मोरी देवास नाका इंदौर में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा जाँच की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी तथा अनियमितता पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा से निपटने का सफल हुआ मॉक अभ्यास

जनता में जागरूकता और प्रशासनिक तैयारियों का किया गया प्रदर्शन

इंदौर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग भोपाल तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आज एच.पी.सी.एल. एल.पी.जी प्लांट एबी रोड टोल प्लाज़ा के समीप राउखेड़ी इंदौर में रासायनिक औद्योगिक आपदा से निपटने का सफल मॉक अभ्यास किया गया।

इस मॉक अभ्यास का उद्देश्य औद्योगिक आपदाओं की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों को परखना एवं आम जनता में जागरूकता बढ़ाना था। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम तथा आपदा प्रबंधन से जुड़ी अन्य एजेंसियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर एसडीएम सांवेर श्री घनश्याम धनगर, डिप्टी कलेक्टर श्री सी.एस. हुड्डा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

प्रशिक्षण के दौरान रासायनिक (एलपीजी गैस) रिसाव की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न की गई। उससे निपटने के लिए राहत एवं बचाव कार्य का अभ्यास किया गया। यह अभ्यास यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है कि भविष्य में किसी भी आपदा की स्थिति में जिले की तैयारियाँ मजबूत रहें और नागरिक सुरक्षित एवं जागरूक बनें।

डकाच्या ग्राम पंचायत में बनने वाले कबड्डी स्टेडियम का जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया निरीक्षण

इंदौर। जिले की ग्राम पंचायत डकाच्या में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) म.प्र. शासन द्वारा स्वीकृत सर्वसुविधायुक्त कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य का जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने निर्माण स्थल का अवलोकन कर अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण और समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम का निर्माण कार्य आगामी 65 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस प्रस्तावित स्टेडियम की कुल लागत 3 करोड़ 16 लाख रुपये है। स्टेडियम का कुल क्षेत्रफल 1350 वर्ग मीटर (14526 वर्गफुट) रहेगा, जिसका माप 30 बाय 45 मीटर (लगभग 1 बीघा) है। इसमें दर्शकों के बैठने की क्षमता 500 दर्शक होगी। स्टेडियम परिसर में 2 कबड्डी ग्राउंड, 5 कमरे जिनमें बाथरूम एवं टॉयलेट की सुविधा रहेगी, तथा 5 दुकानें पेवेलियन के पीछे के बाहरी भाग में बनाई जाएंगी। पुरुष और महिला के लिए अलग-अलग बाथरूम और टॉयलेट की व्यवस्था की जाएगी। सम्पूर्ण परिसर जीआई शीट से कवर रहेगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने के लिए यह स्टेडियम मील का पत्थर साबित होगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ 2028 के लिए किए जाने वाले कार्य अगले सिंहस्थ में भी दिखना चाहिए

सिंहस्थ- 2028 का विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जाए

उज्जैन । प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल और अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा अधक्षयता में सिंहस्थ 2028 के कार्यो की समीक्षा बैठक आज प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित हुई । अपर मुख्य सचिव के द्वारा सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत सिंहस्थ मद से अन्य प्रस्तावित कार्यो की समीक्षा बैठक में की गई।

उन्होंने उपस्थित जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए की नवीन निर्माण कार्यों की योजनाओं को सिंहस्थ मे आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं को ध्यान रखकर ही प्रस्ताव बनाया जाए।

बैठक में संभाग आयुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह, संभाग आयुक्त उज्जैन श्री संजय गुप्ता, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अधिकारी श्री

आशीष सिंह ,कलेक्टर उज्जैन श्री रोशन कुमार सिंह के साथ इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों के कलेक्टर भी उपस्थित रहे ।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसमें यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और उनकी लगातार जांच की जावे और आने वाले आगामी सिंहस्थ में में भी इन कार्यों की उपयोगिता होनी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि सभी अधिकारी समय-समय पर इसकी गुणवत्ता जांच करते रहें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के लिए एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जावे, जिसमें कार्यों को सूचीबद्ध कर उनको एक प्लेटफार्म पर लाया जावे, जिससे सिंहस्थ 2028 की जरूरत का ध्यान रखकर शेष बचे हुए कार्यों को भी सम्मिलित किया जा सकेगा।

अपर मुख्य सचिव ने कहा की सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं का वास्तविक आकलन जरूरी है। इसके लिए उज्जैन शहर में आने वाले सभी मार्गों से वाहनों की संख्या ,श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन शुरू किया जाए। जिससे 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन किया जा सके। साथ ही व्यापक मोबिलिटी प्लान बनाया जाना भी आवश्यक है।

पानी के लिए प्रबुध्द मित्र मंडल ने दिया जल संरक्षण पर जोर

जल संरक्षण अभियान के तहत हुए आयोजन में 120 वरिष्ठजन हुए शामिल

उज्जैन। प्रबुद्ध मित्र मंडल द्वारा जल संरक्षण अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 120 वरिष्ठजन शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मुकेश टटवाल ने वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने नगर निगम द्वारा किए गए कार्यों का भी विस्तृत विवरण दिया विशेष रूप से रूफ वाटर हार्वेस्ट पर निगम की कार्रवाई की जानकारी दी तथा समाज के लोगों को इस हेतु प्रेरित करने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सोनू गहलोत द्वारा वृक्षारोपण, तालाब निर्माण, बारिश के पानी का जमीन में रिचार्ज करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्कूल के बच्चों को भी जल बचाओ की जानकारी देने पर बल दिया ताकि परिवार तक संदेश पहुंचे। डॉ विमल गर्ग ने पर्यावरण, वृक्षारोपण के महत्व को तथा पॉलिथीन के उपयोग को पूर्ण रूपेण बंद करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि जमीन में ज्यादा ज्यादा जल संग्रहित हो। प्रेमनारायण नागर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने कहा कि जल ही जीवन है और इसका संरक्षण ही विकास की पहली कड़ी है, उन्होंने कहा कि बिना जल सब सुन। प्रबुद्ध मित्र मंडल अध्यक्ष महेश ज्ञानी के द्वारा जल ही जीवन है, के संदेश जन-जन तक पहुंचने के अभियान की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रकाश चित्तौड़ा, हेमराज राठौड़, सुरेश भूलॉड, फूल सिंह जौहरी, अरविंद जैन, केशव जोशी, विजय वर्गी, राजेंद्र व्यास, मिथिलेश गर्ग अध्यक्ष लायन सुरभि ने भी जल बचाव के विभिन्न पहलू पर अपने विचारों से अवगत कराया। कार्यक्रम में रिचा विचार मंच, पेंशनर और वरिष्ठ नागरिक संघ, पर्यावरण, औदीच्य ब्राह्मण समाज, अखिल भारतीय वरिष्ठ संगठन आदि कई संगठनों ने अपनी सहभागिता की।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम के 1100 से अधिक निवासियों को होम्योपैथ से मानसिक स्वास्थ में लाभ मिलेगा- डॉ. एके द्विवेदी

उज्जैन। मानव सेवातीर्थ अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में डॉ. ए.के. द्विवेदी सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, केन्द्रिय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं कार्यपरिषद सदस्य देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर ने आश्रम संस्थापक सुधीर भाई के साथ आश्रम के मानव सेवा कार्यों का अवलोकन कर विभिन्न प्रकल्पों में निवासरत बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गो से मुलाकात की।

विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच समय की मांग

उज्जैन। प्रदेश के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज के विद्यार्थी केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसरों के सृजनकर्ता होने चाहिए। वे तेंदूखेड़ा की जवाहर कृषि उपज मंडी में तेजस्वी कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत आयोजित सीड मनी वितरण समारोह में बोल रहे थे।

इस आयोजन में 5000 से अधिक छात्र-छात्राओं को कुल 1 करोड़ रुपये की सीड मनी प्रदान की गई, जिससे वे अपने नवाचारों और व्यावसायिक विचारों को मूर्त रूप दे सकें। छात्रों द्वारा तैयार प्रोटोटाइप और समाधान आधारित परियोजनाओं की प्रदर्शनी ने सभी को आकर्षित किया। कार्यक्रम का संचालन उद्यम लर्निंग फाउंडेशन द्वारा किया गया, जो शिक्षा विभाग के साथ मिलकर छात्रों में उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता विकसित कर रहा है।इस अवसर पर '100 बेस्ट आइडियाज़' पुस्तिका का विमोचन भी हुआ, जिसमें जिले भर के श्रेष्ठ व्यावसायिक विचारों को प्रस्तुत किया गया है।इस आयोजन में शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे। यह प्रयास प्रदेश को रोजगार मांगने वाले युवाओं से रोजगार देने वाले युवाओं की ओर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भीषण गर्मी में उज्जैन में पानी के लिए मचने लगी त्राही-त्राही

उज्जैन। भीषण गर्मी में मुख्यमंत्री के गृहनगर उज्जैन में पानी के लिए त्राही त्राही मचने लगी है, नर्मदा का जल उज्जैन लाने का दावा करने वाली भाजपा की सरकार में लोग तपती सड़कों पर टैंकरों के पीछे खाली बाल्टी लेकर दौड़ने को मजबूर हैं, नगर निगम के भाजपा बोर्ड द्वारा पैदा किया गया यह जलसंकट आगे और कितना भयावह रूप लेगा इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि गर्मी के मौसम में जब पानी की खपत बढ़ जाती है, शादियों का मौसम जब मेहमानों का डेरा घरों में लगा हुआ है, ऐसे समय में ये सब पानी की चिंता में हलाकान हो रहे हैं। एक दिन छोड़कर नलों से पानी सप्लाय किया जा रहा वह भी कम प्रेशर से की कई घरों के बर्तन रीते ही रह रहे हैं। लोग अपने काम धंधे छोड़कर अब पानी की चिंता में लग गए हैं। नगर निगम के भाजपा बोर्ड में पॉवर पंप, हैंड पंप खराब है, जल प्रदाय व्यवस्था के तो हालात दयनीय हैं। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने गृह नगर में ध्यान देकर पानी को तरसती जनता के दुख दूर करें। गर्मी की शुरूआत में ही ये हाल है तो आने वाले दिनों में हालात क्या होंगे। क्षिप्रा नर्मदा लिंक योजना पर करोड़ों खर्च कर देने के बाद भी यदि ये हाल होने थे तो आम जनता की गाड़ी कमाई को क्यों पानी में बहाया। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि यदि भाजपा का नगर निगम बोर्ड, भाजपा सरकार आम जनता के लिए सकारात्मक रूख नहीं अपनाएगी तो पानी के लिए कांग्रेस को आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

मुनिश्री 108 विनम्रसागरजी महाराज को ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु श्रीफल समर्पित

उज्जैन। इस युग के श्रेष्ठ आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य 108 श्री समयसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य 108 श्री विनम्रसागर जी महाराज ससंघ का पावन सानिध्य सकल दिगंबर जैन समाज उज्जैन को प्राप्त हो रहा है। मुनिश्री विनम्रसागर जी महाराज ससंघ फ्रीगंज पंचायती मंदिर में विराजमान हैं और उनके दिव्य प्रवचनों और विनम्र वाणी से समस्त समाजजन निरंतर आत्मिक लाभ ले रहे हैं।

सकल समाज की सामूहिक भावना अनुसार सकल दिगंबर जैन समाज उज्जैन की ओर से 18 अप्रैल प्रातः मुनि संघ को ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु श्रद्धापूर्वक श्रीफल समर्पित किया गया। 'श्रीफल समर्पण कर समाज निवेदन किया कि मुनि संघ यहीं रुककर ग्रीष्मकालीन वाचना करें।

इस शुभ अवसर पर शहर के समस्त जैन मंदिरों के पदाधिकारी, प्रमुख श्रावकगण एवं अनेक श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास एवं भावविभोर वातावरण में मुनिश्री के मंगल दर्शन कर मंगल वाणी का लाभ लेते हुए इस गौरवशाली क्षण का धर्मलाभ प्राप्त किया।इसके पूर्व धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि संस्कारों का बीज बचपन में ही डालना चाहिए। बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही भोजन बनाना, चाय-नाश्ता तैयार करना जैसे कार्य सिखाए जाने चाहिए। जब बच्चे उच्च शिक्षा या नौकरी के लिए घर से दूर बड़े शहरों में जाते हैं, तो ये प्राथमिक योग्यताएं उन्हें आत्मनिर्भर बनाती हैं और वे अनावश्यक भटकाव से बचे रहते हैं।

मुनिश्री द्वारा प्रतिदिन दिए जा रहे प्रवचन एवं 'मन की बात' जैसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों ने समाज के हर वर्ग में धर्म के प्रति नवीन चेतना का संचार किया है। श्रद्धालुओं का भाव है कि यदि ग्रीष्मकालीन वाचना के लिए पूज्य मुनिश्री का उज्जैन में प्रवास सुनिश्चित होता है तो यह सम्पूर्ण समाज के लिए एक अद्वितीय सौभाग्य होगा।

क्या है ग्रीष्मकालीन वाचना? ग्रीष्मकालीन वाचना दिगंबर जैन परंपरा की एक विशेष धर्म-साधना है, जो गर्मी के महीनों में मुनि संघ के एक स्थान पर ठहरने के दौरान होती है। इसे धर्म वाचन, विचार और व्यवहार का मौसम भी कहा जा सकता है।

इस अवधि में 'मुनिराज प्रतिदिन आगम, शास्त्र और नीति ग्रंथों का वाचन करते हैं, 'श्रद्धालुओं को आत्मकल्याण के गूढ़ रहस्य सिखाए जाते हैं,' जीवन जीने की जैन दृष्टि, संयम, करुणा और मोक्ष मार्ग की शिक्षा दी जाती है। यह अवसर समाज के लिए है 'धर्म से जुड़ने का, ' बच्चों को संस्कार देने का,' और आत्मा को जागृत करने का।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com